This question paper contains **3** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **6445**

Unique Paper Code : **2304001203**

Name of the Paper : **Invitation to Sociological Theory**

Name of the Course : **B.A. Sociology, NEP-UGCF**

Semester : **II**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **90**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : — Answers may be written either in **English** or in **Hindi**; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **अंग्रेजी** या **हिंदी** किसी एक भाषा में दीजिए; परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any *four* questions.

All questions carry equal marks.

किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

P.T.O.

1. Discuss the three primary perspectives in classical sociology, providing relevant examples.

   प्रासंगिक उदाहरणों के साथ शास्त्रीय समाजशास्त्र के तीन मुख्य दृष्टिकोणों पर विस्तार से चर्चा कीजिए।

2. Explain how the conflict perspective aids in interpreting and understanding social reality.

   समझाइए कि संघर्ष का परिप्रेक्ष्य सामाजिक वास्तविकता की व्याख्या और समझने में किस प्रकार मदद करता है।

3. Write an essay examining feminist discussions and debates on the concept of sexual difference.

   लैंगिक अंतर की अवधारणा के इर्द-गिर्द नारीवादी चर्चाओं और बहसों की खोज करते हुए एक निबंध लिखिए।

4. Provide a detailed explanation of the symbolic interactionist approach in sociology.

   समाजशास्त्र में प्रतीकात्मक अंत:क्रियावादी दृष्टिकोण की विस्तार से व्याख्या कीजिए।

5. Discuss whether sociological research can maintain objectivity.

   चर्चा कीजिए कि क्या समाजशास्त्रीय शोध के लिए वस्तुनिष्ठता बनाए रखना संभव है।

6. Examine in detail the contributions of Talcott Parsons and Robert K. Merton to functionalism.

टैल्कॉट पार्सन्स और रॉबर्ट के. मर्टन के कार्यात्मकतावाद में योगदान पर विस्तार से चर्चा कीजिए।

7. Analyze why the conflict perspective regards functional theory as unrealistic or idealized.

विश्लेषण कीजिए कि संघर्ष परिप्रेक्ष्य कार्यात्मक सिद्धांत को एक अवास्तविक या आदर्श अवधारणा के रूप में क्यों देखता है ?